नईदुनिया

अमेरिका में डंकी रूट से प्रवेश करने वाले भारतीयों की संख्या में भारी कमी

वाशिंगटन

अमेरिकी सीमा सुरक्षा एजेंसी (यूएस कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन - सीपीबी) द्वारा जारी किए गए हालिया आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में पिछले तीन वर्षों के दौरान अभूतपूर्व कमी दर्ज की गई है। जारी आंकडों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 के पहले आठ महीनों (अक्टूबर 2023 से मई 2024 तक) में भारतीय नागरिकों से जुड़े कुल 20,614 मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि की तुलना में लगभग 69 प्रतिशत कम है, जब ऐसे मामलों की संख्या 67,212 तक पहुंच गई थी।

यह गिरावट एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, खासकर उन अवैध मार्गों पर जिन्हें डंकी रूट के नाम से जाना जाता है। इस गिरावट का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर देखने को मिला है, जिसे कभी अवैध प्रवासियों के लिए एक प्रमुख और खतरनाक रास्ता माना जाता था। अक्टूबर 2023 से मई 2024 के बीच इस दक्षिणी सीमा पर भारतीयों से जुड़े सिर्फ 417 मामले दर्ज हुए, जो वित्त वर्ष 2023 में इसी अवधि के 30 हजार से अधिक मामलों के मुकाबले लगभग 99 प्रतिशत की चौंकाने वाली और ऐतिहासिक गिरावट है। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि इस मार्ग पर प्रवासियों को रोकने के प्रयासों में भारी सफलता मिली है।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर भी भारतीयों के अवैध प्रवेश से जुड़े मामलों में भारी कमी आई है। मई 2024 तक यहां भारतीय नागरिकों से जुड़े 2,250 मामले दर्ज किए गए, जो वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि की तुलना में लगभग 91 प्रतिशत कम हैं। अगर पूरे अमेरिका में भारतीय नागरिकों से जुड़े कुल अवैध प्रवेश मामलों की बात करें तो मई 2024 तक यह संख्या 20,614 रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह संख्या लगभग 29 हजार थी, और वित्त वर्ष 2023 में यह 67 हजार से अधिक पहुंच गई थी। इस भारी गिरावट की मुख्य वजहों पर विशेषज्ञों की राय है कि अमेरिका की सख्त होती आव्रजन (इमिग्रेशन) और शरण (असाइलम) नीतियों का सीधा असर दिखाई दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जर्मनी: घर की छत पर गिरा निजी विमान, दो लोगों की मौत

बर्लिन। जर्मनी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को एक छोटा निजी विमान रिहायशी इलाके में एक मकान की छत पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, यह हल्का विमान गैंडरकेजे क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जो ओल्डेनबर्ग के निकट स्थित है। विमान सीधे एक मकान की ढलानदार छत से टकराया, जिससे वह छत में धंस गया। प्रारंभिक जानकारी में पुलिस ने बताया था कि विमान में सवार दो व्यक्तियों में से एक की मौत हो गई है, जबकि दूसरा लापता है। बाद में मलबा हटाने के लिए चलाए गए लंबे और जटिल अभियान के बाद पुष्टि हुई कि दोनों यात्रियों की दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है। मृतकों की आयु 65 वर्ष और 77 वर्ष बताई गई है तथा दोनों जर्मनी के ब्रेमेन शहर के निवासी थे। दुर्घटना के बाद एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली कराया गया था। मलबा हटाने का कार्य पूरा होने के बाद स्थानीय निवासियों को सुरक्षित रूप से अपने घरों में लौटने की अनुमति दे दी गई। अधिकारियों ने विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा तकनीकी खराबी, मौसम संबंधी कारणों या किसी अन्य वजह से हुआ।

मृत सागर के किनारे बसी है दुनिया की सबसे निचली बस्ती

इज़राइल। क्या आप जानते हैं कि इज़राइल के मृत सागर (डेड सी) के किनारे स्थित नेवे जोहर नामक बस्ती को दुनिया की सबसे निचली स्थायी आबादी वाला स्थान माना जाता है। यह बस्ती समुद्र तल से लगभग 400 मीटर से अधिक नीचे स्थित है। जार्डन रिफ्ट घाटी में बसे इस छोटे से गांव की भौगोलिक स्थिति, जलवायु और प्राकृतिक वातावरण इसे दुनिया के सबसे अनोखे रिहायशी क्षेत्रों में शामिल करते हैं। नेवे जोहर इज़राइल के दक्षिणी जिले में राजमार्ग 31 और राजमार्ग 90 के जंक्शन के पास स्थित है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार यहां की स्थायी आबादी लगभग 166 लोगों की है। आबादी कम होने के बावजूद यह तामार रीजनल काउंसिल का प्रशासनिक मुख्यालय है। गांव में एक प्राथमिक विद्यालय, स्थानीय संग्रहालय और कुछ आवासीय भवन मौजूद हैं। इसकी स्थापना वर्ष 1964 में मृत सागर क्षेत्र में कार्यरत औद्योगिक कर्मचारियों के लिए एक छोटे कार्य शिविर के रूप में की गई थी। बाद में यह स्थायी बस्ती में बदल गया। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यधिक निम्न स्तर है। समुद्र तल से काफी नीचे होने के कारण यहां वायुमंडलीय दबाव सामान्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रहता है। कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इस कारण यहां हवा में आक्सीजन का आंशिक दबाव अपेक्षाकृत अधिक महसूस हो सकता है, जिससे कुछ लोगों को सांस लेने में सुविधा महसूस होती है। हालांकि यह कहना कि यहां सभी श्वसन या हृदय रोगियों को निश्चित रूप से चिकित्सकीय लाभ मिलता है, वैज्ञानिक रूप से स्थापित नहीं है।

मुनीर के हाथ में परमाणु बम शोपीस बने पाकिस्तान के पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सत्ता और सैन्य व्यवस्था में हाल ही में हुए बदलावों ने देश की रणनीतिक संरचना को नई दिशा दे दी है। कानूनी संशोधनों के बाद देश ने नेशनल स्ट्रैटेजिक कमांड (एनएससी) का गठन किया है, जिसके तहत परमाणु हथियारों, मिसाइल प्रणाली और अन्य रणनीतिक सैन्य संसाधनों का संचालन एक केंद्रीय सैन्य कमान के अधीन किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य सेना, नौसेना, वायुसेना, राकेट फोर्स और रणनीतिक कमान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना बताया जा रहा है। इस नए ढांचे के बाद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका को लेकर सबसे अधिक चर्चा हो रही है। वह पहले से ही चीफ आफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) और चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) जैसे महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर हैं। नए कमान तंत्र के लागू होने के बाद उनकी रणनीतिक और सैन्य निर्णयों में भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली मानी जा रही है। नए ढांचे के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की भूमिका को लेकर भी बहस तेज हो गई है। पहले नेशनल कमांड अथारिटी (एनसीए) के माध्यम से नागरिक नेतृत्व की रणनीतिक निर्णयों में भागीदारी बनी रहती थी।

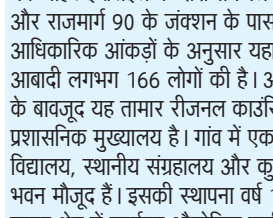

ईरान व ओमान ने समझौते की दिशा में बढ़ाए कदम, अमेरिका ने हमला रोका, हूती के वही तेवर, कीव से तेहरान खफा

तेहरान/वाशिंगटन/कीव

ईरान के साथ इस वर्ष 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के थमने के साकारात्मक संकेत सामने आए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर राजनयिक बातचीत में प्रगति हुई है। अमेरिकी समयानुसार ईरान ने शुक्रवार की रात चैन की सांस ली। अमेरिका सेना ने हमला रोक दिया। हूती विद्रोहियों के तेवर वही हैं। इस वजह से पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में तनाव बरकरार है। यूक्रेन से ईरान बहुत ज्यादा खफा है। उसने कैस्पियन सागर में यूक्रेनी हमले की निंदा करते हुए राजनयिकों को तलब किया।

रिपोर्ट के अनुसार, ओमान और ईरान के बीच राजनयिक बातचीत में प्रगति हुए हैं। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य और उस इलाके में अपने-अपने समुद्री जलक्षेत्र को फिर से खोलने पर वार्ता की है। सूत्रों ने संकेत दिया कि चीजें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। अंतिम समझौते पर पहुंचने में कुछ वक्त लग सकता है। ओमान के अधिकारी बातचीत के लिए शुक्रवार को तेहरान गए थे।

बताया गया है कि यह राजनयिक पहल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बमबारी को रोकने के निर्णय के बाद हुई। अमेरिकी सेना ने लगातार 13 रातों तक बमबारी की। ट्रंप के फैसले के बाद ईरान में 14वीं रात अमेरिकी सेना ने हमला नहीं किया। व्हाइट हाउस और अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जरूर कहा कि ओमान और ईरान के बीच हो रही बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर है।

यह भी कहा जा रहा है कि ईरान और अमेरिका दोनों ही इस समय संघर्ष विराम का कोई रास्ता खोज रहे हैं। मध्यस्थ देशों ने दोनों को मनाने की कोशिश की है। महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका और ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अपने रुख में परिवर्तन को तैयार नहीं हैं। ईरान कमर्शियल जहाजों से जबरिया टोल वसूलना चाहता है। ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी इसे सफल नहीं होने दे रही।

समुद्री जलमार्ग की इस लड़ाई में अमेरिका सहयोगी यूक्रेन भी कूद गया है। कैस्पियन सागर में ईरान के एक जहाज पर उसके हमले में कम से कम एक नाविक की मौत और एक अन्य के घायल होने से ईरान आगबबूला

है। ईरान ने यूक्रेन के राजनयिकों को तलब किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए गहरी चिंता जताई है। मंत्रालय ने यूक्रेन के वरिष्ठ राजनयिक को तलब कर इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताते हुए इसकी निंदा की है। विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने ईयू के विदेश नीति प्रमुख के साथ फोन पर बातचीत कर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस हमले पर प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया।

सेंटकाम ने एक्स पोस्ट में कहा कि उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी के तहत एक टैंकर पर चढ़कर जांच की। पोस्ट के अनुसार, अरब सागर में कोमोरोस के झंडे वाले एमटी चारमीनार टैंकर पर चढ़कर जांच पूरी की। इसके बाद टैंकर को जाने दिया गया। कल ओमान की खाड़ी में मोजाम्बिक के झंडे वाले एमटी लैविन टैंकर को रोकर जांच की गई थी। सेंटकाम ने कहा कि यह टैंकर ईरान जा रहा था। सेंटकाम ने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी पूरी तरह जारी है।

यूक्रेन ने स्वीकार किया है कि उसने रूसी जहाजों को निशाना बनाया है। इन जहाजों से कुछ सामग्री ईरान भेजी जा रही थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस मध्य पूर्व में ईरान के सैन्य अभियान में उसकी मदद कर रहा है। इस बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के होदेइदाह बंदरगाह और कमरान द्वीप पर किए गए हमलों के जवाब में लाल सागर तट पर जिजान और यानबू में सऊदी अरामको की तेल सुविधाओं पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं।

जेलेंस्की ने शनिवार एक्स पोस्ट में कहा कि वह अमेरिका के साथ कुछ सबूत साझा करेंगे। इनसे यह खुलासा होगा कि रूस, ईरान को सैटेलाइट निगरानी के जरिए मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने में मदद कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, जुलाई की शुरुआत से ही हमने खाड़ी देशों और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर रूस की सक्रिय सैटेलाइट निगरानी देखी है। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें बाद में ईरान तक पहुंचती हैं।

सऊदी अरब के यमन हूती ठिकानों पर हमले से नई जंग का खतरा बढ़ा

सना

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हुदैदाह में हूतियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। ये हमले लाल सागर में सऊदी से जुड़े जहाजों पर हूतियों के हमलों के जवाब में किए गए। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मल्की ने एक्स पर कहा कि होदैदाह प्रांत में आतंकवादी हूती मिलिशिया के वैध सैन्य ठिकानों के खिलाफ उचित सैन्य जवाबी कार्रवाई की।

ये हमले तब हुए हैं, जब यमन के हूतियों ने इस हफ्ते लाल सागर से गुजर रहे सऊदी अरब के 2 तेल टैंकरों पर हमला किया था। सऊदी अरब ने इनमें से एक हमले की पुष्टि की है। हूतियों ने इसी हफ्ते कहा था कि वह लाल सागर में सऊदी अरब के खिलाफ नाकेबंदी करेंगे। इसके बाद सऊदी अरब ने सख्त जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

वहीं, हूती संचालित टीवी ने बताया है कि सऊदी हमलों ने लाल सागर के इलाके वाले बंदरगाह शहर होदैदाह को निशाना बनाया है। सऊदी हमलों में होदैदाह शहर में सरकारी टेलीकाम कंपनी की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इसने यह भी बताया कि सऊदी सेना ने यमन के पश्चिमी तट के पास स्थित कामरान द्वीप को निशाना बनाया।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा गया है कि हवाई यातायात को खुला रखने के लिए किसी भी एयरपोर्ट को निशाना नहीं बनाया। हालांकि, उन्होंने हूती विद्रोहियों पर सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट आपरेसन की इजाजत न देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही चेतावनी दी कि सऊदी अरब अपने जहाजों और हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना जारी रखेगा। इन हमलों के बाद सऊदी अरब और यमन के हूतियों के बीच एक बार फिर से जंग शुरू होने का खतरा बढ़ गया है। साल 2022 में हूतियों और सऊदी अरब के बीच समझौते के बाद ज्यादातर बड़ी लड़ाई रुक गई थी। ताजा हमलें पिछले सालों में सऊदी गठबंधन सेना और हूतियों के बीच पहली घटना है।

बता रहा रूस, तोड़-फोड़ मचा रहा ईरान, पुतिन ने ट्रंप से लिया ये कैसा इंतकाम

वाशिंगटन। मध्य-पूर्व में चल रहा महायुद्ध अब पूरी तरह बेकाबू हो चुका है। अमेरिकी सेना का ध्यान कहीं और बंटा होने के बावजूद, सीआईए के सबसे सुरक्षित ठिकानों पर सटीक हमले हुए है। वाशिंगटन में मची खलबली के बीच, रक्षा विशेषज्ञ साफ कह रहे हैं कि रूस की गुप्त मदद के बिना ईरान के लिए इसतरह के संवेदनशील अमेरिकी ठिकानों को ढूंढना और तबाह करना असंभव था। अब जांच हो रही है कि क्या पुतिन ने पर्दे के पीछे से मोजतबा खामनेई को गुप्त डाटा दिया, जिससे ट्रंप से बदला लिया जा सके ट्रंप की सेना भले ही ईरान पर हवाई हमले कर रही हो, लेकिन ईरान की सेना ने जवाबी कार्रवाई में जार्डन में आपरेशन अलबर्ग का ऐलान कर दिया। अल फैसल और प्रिंस हसन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसने अमेरिकी सेना की कमजोर नस को बेनकाब किया है। ईरान का दावा है कि उसके हमले में आठ नए एमक्यूआई 9 जासूसी ड्रोन जलकर खाक हो गए, जबकि दो अन्य ड्रोनों और भारी हेलीकाप्टरों को गंभीर नुकसान पहुंचा। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इसकी गहन जांच कर रही हैं कि क्या रूस ने ईरान को वाकई गुप्त सैटेलाइट डाटा हस्तांतरित किया था।

अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों तक नहीं पहुंचने देंगे

राष्ट्रपति ट्रंप के नामिनी का एआई एक्सपोर्ट पर सख्त कंट्रोल का वादा

वाशिंगटन

अमेरिकी निर्यात नियंत्रण विभाग के शीर्ष पद के लिए नामांकित प्रत्याशी ने इस सप्ताह एक बड़ा संकल्प लिया और कहा कि वह अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों के सैन्य मंसूबों तक नहीं पहुंचने देंगे। चीन के साथ बढ़ते वैश्विक मुकाबले के बीच उन्होंने निर्यात नियंत्रण व्यवस्था को ज्यादा प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस और सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया है। एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के असिस्टेंट सेक्रेटरी ने सीनेट बैंकिंग कमेटी के सामने कहा कि एआई और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर की ग्लोबल होड़ के बीच, एक्सपोर्ट कंट्रोल वाशिंगटन के सबसे अहम नेशनल सिक्योरिटी टूल्स में से एक हैं। वारेन ने सांसदों से कहा कि ब्यूरो आफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी, अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी, इकोनामिक सिक्योरिटी और बेजोड़ टेक्नोलाजिकल अचीवमेंट और साइंटिफिक इनोवेशन की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट कंट्रोल उन सबसे अहम टूल्स में से हैं, जिनसे यह पक्का किया जा सकता है कि अमेरिका की सबसे सेंसिटिव टेक्नोलाजी, प्रोडक्ट्स और एक्सपर्टीज का इस्तेमाल हमारे दुश्मनों की मिलिट्री माडर्नाइजेशन या रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में न हो।

सीनेटर ने कहा कि अमेरिका एआई में कौन आगे रहेगा, इस मामले में चीन के साथ होड़ में बना हुआ है। उन्होंने तर्क दिया कि लीडरशिप की अहम जगहों पर सही लोगों के होने से हमारे देश को फायदा मिलता है। वारेन अमेरिका की एक्सपोर्ट कंट्रोल पालिसी बनाने में मदद करेंगी ताकि यह पक्का किया जा सके

कि अमेरिका चीन का मुक़ाबला कर सके और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत किया जा सके।

उन्होंने कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिए एक ऐसी नियामक प्रणाली की जरुरत है जो प्रभावी, अनुकूलनीय और हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर आधारित हो। उन्होंने एक्सपोर्ट कंट्रोल रिफार्म एक्ट का जिक्र करते हुए कहा कि जब मैं एक वकील के तौर पर अपनी सोच के बारे में सोचती हूं, तो मैं कानून को देखती हूं। एक्सपोर्ट कंट्रोल वहां लागू किए जाने चाहिए जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी अहम चिंताएं हों, साथ ही उनके आर्थिक असर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समझ से अभी कड़े कंट्रोल लागू हैं, लेकिन तकनीक हमेशा बदलती रहती है। हमें हर चीज के बारे में अपडेट रहना होगा और अगर मेरी नियुक्ति पक्की हो जाती है, तो मैं यह तय करूंगी कि स्टाफ़ और मैं खुद भी लगातार इस पर नजर रखें।

आयस्टर और क्लैम की सीपियां ने समुद्री जीवन को फिर किया जीवित

अब फ्लोरिडा के तट पर समुद्री जीवन जीवित करने बन गई जरूरी साधन

फ्लोरिडा

जो चीजें कचरा कही जा रही थी अब फ्लोरिडा के तट पर समुद्री जीवन को फिर से जीवित करने के लिए जरूरी साधन बन गईं। 2007 और 2024 के बीच फ्लोरिडा ने खराब हो चुके समुद्री आवासों को ठीक करने के लिए मेक्सिको की खाड़ी में पांच लाख टन से ज्यादा रीसायकल की गईं आयस्टर और क्लैम की सीपियां डाली थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये सीपियां सीधे समुद्र से नहीं आई थीं बल्कि इन्हें सीफूड रेस्तरां और सीफूड प्रोसेसिंग प्लांट से इकट्ठा किया था। इन्हें लैंडफिल में भेजने के बजाय उन इलाकों में पानी में वापस डाला गया जहां सालों से आयस्टर रीफ कम हो गई थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरू में कई लोगों ने इस पर

सवाल उठाए और इसे समुद्र में कचरा फेंकना तक कहा। यहां तक कि रिसर्च करने वालों को भी प्रोजेक्ट के शुरुआती दौर में कोई खास बदलाव नहीं दिखा और उन्हें पक्का नहीं था कि यह कोशिश सफल होगी या नहीं। हालांकि सतह पर कोई तुरंत बदलाव नहीं दिखा लेकिन जरूरी प्रक्रियाएं शुरू हो चुकी थीं। जैसे ही सीपियां डाली गईं बैक्टीरिया उनसे चिपक गए और बायोफिल्म बना ली। यह पतली परत समुद्री इकोसिस्टम की शुरुआती चीजों में से एक है और ऐसे हालात बनाती है जो दूसरे जीवों को बसने और बढ़ने में मदद करते हैं।

सीपियां धीरे-धीरे टूटने लगीं और पानी में कैल्शियम छोड़ने लगीं। इससे पानी की अलग केमिस्ट्री वाले छोटे-छोटे इलाके बन गए जिन्हें माइक्रोजोन कहा जाता है। ये छोटे-छोटे बदलाव कई ऐसे पानी के नीचे रहने वाले जीवों के लिए सही हालात बनाते हैं जो जिंदा रहने के लिए ऐसे माहौल पर निर्भर करते हैं। सीपियों ने एक और बड़ी समस्या भी हल कर दी। स्वस्थ आयस्टर रीफ के लिए सख्त सतह की जरूरत होती है जहां छोटे आयस्टर चिपक सकें और बढ़ सकें। चूंकि कई रीफ खत्म हो चुकी थीं इसलिए समुद्र की तलहटी का ज्यादातर हिस्सा नरम और रेतीला हो गया था जिससे नए आयस्टर्स का जमना मुश्किल था। रीसायकल की गई सीपियों ने उस गायब आधार का काम किया और छोटे आयस्टर उन पर बस गए जिससे समय के साथ धीरे-धीरे नई रीफ बन गईं। आयस्टर की आबादी बढ़ने से अतिरिक्त लाभ भी हुए। खाना खाते समय ये बड़ी मात्रा में पानी को फिल्टर करते हैं जिससे पानी से कण हट जाते हैं और हानिकारक शैवाल के फैलाव को कम करने में मदद मिलती है। साफ पानी तटीय इकोसिस्टम पर निर्भर अन्य पौधों और जानवरों के विकास में भी मदद करता है। समय के साथ ये बदलाव फूड चेन में फैल जाते हैं और मछलियों व बड़े समुद्री जानवरों को रहने के लिए बेहतर जगहें मिलती हैं। प्रोजेक्ट के मुताबिक मछली, कछुए और डाल्फिन की आबादी ऐसे स्तर तक बढ़ गई जो पिछले 25 से ज्यादा सालों में नहीं देखी थी। समुद्र के तल का धीरे-धीरे ठीक होना तब साफ तौर पर दिखाई देने लगा जब समुद्री जीवन उन इलाकों में वापस आ गया जहां पहले उसे बनाए रखना मुश्किल था।